

वैद्यकीय प्रतिपूर्ति मार्गदर्शिका

महाराष्ट्र राज्य शासन व स्थानिक स्वराज्य संस्था कर्मचारी-अधिकाऱ्यांकरीता
(मूळ नियम, प्रिप्त्रके, शासन निर्णय, तपासणी सुची व सुचनांसह)



संकलन व लेखन
गोविंद लतिका अच्युतराव बोंदर
लेखाधिकारी,
जिल्हा परिषद, उस्मानाबाद.

वैद्यकीय प्रतिपूर्ती मार्गदर्शिका

किंमत – मोफत (ई-बुक स्वरूपात)

प्रथम आवृत्ति - १९/१२/२०१९

शासकीय/निमशासकीय अधिकारी/कर्मचारी, स्थानिक स्वराज्य संस्था मधील अधिकारी-कर्मचारी यांना शासनातर्फे सफेद आरोग्य सोयी-सुविधा पुरविल्या जातात. विशिष्ट गंभीर आजाराकरिता प्रसंगी खाजगी रुग्णालयात उपचार घेतल्यास शासनाकडून काही अशासकीय रुग्णालयांना माळकृता देण्यात आलेल्या आहेत. मी आजपर्यंत एकदाही वैद्यकीय प्रतिपूर्तीचा लाभ घेतला भासला तरी स्थानिक निधी लेखापरिक्षा कार्यालयात लेखापरिक्षण करताना तसेच जिल्हा परिषद येथे पुर्वलेखापरिक्षण करताना सामायिक त्रुटी आढळून आल्या. सदर त्रुटी या केबळ नियमांचे ज्ञान नसल्याने झाल्याचे आढळून येते. वेळोवेळी अद्यावत होणारे नियम व शासन निर्णय उपलब्ध झाल्यास त्रुटींचे प्रमाण कमी होईल याबद्दल मला विश्वास आहे. या पुस्तकामुळे अधिकारी-कर्मचाऱ्यांना वैद्यकीय प्रतिपूर्ती लाभांची अनुज्ञेयतेबाबत शिग्र संदर्भासह आवश्यक सर्व माहिती उपलब्ध होऊन योग्य व दर्जेदार वैद्यकीय सेवेचा लाभ होऊ शकेल. लेखापरिक्षणात येणाऱ्या त्रुटी कमीत कमी होऊन देयक विनाआक्षेप पारित झाल्याने कौटुंबिक व आर्थिक अडचण कमी होऊन अधिकारी-कर्मचारी यांना मोठा दिलासा मिळेल असा मला विश्वास आहे. संत ज्ञानेश्वर यांच्या ‘जो जे वांछील तो ते लाहो’ या उक्तीप्रमाणे ‘ज्याला जे अनुज्ञेय आहे ते मिळो’ या सदिच्छांसह हे संकलन माझी आई स्व. सौ. लतिका अच्युतराव बोंदर हिच्या स्मृतीस अर्पण.

गोविंद लतिका अच्युतराव बोंदर
लेखाधिकारी,
जिल्हा परिषद , उस्मानाबाद.

अनुक्रमणिका

| अ. क्र. | दिनांक | तपशिल | पु. क्र. |
|---------|----------|---|----------|
| 1 | | वैद्यकीय खर्च प्रतिपूर्ती- सर्वसाधारण माहिती | 1 |
| 2 | 1961 | महाराष्ट्र राज्य सेवा (वैद्यकीय देखभाल) नियम 1961 | 11 |
| 3 | 1971 | महाराष्ट्र जिल्हा परिषद जिल्हा सेवा (वैद्यकीय सेवा) नियम 1971 | 29 |
| 4 | 19710904 | महाराष्ट्र जिल्हा परिषद जिल्हा सेवा (वैद्यकीय सेवा) नियम 1971 सुधारणा | 43 |
| 5 | 19720415 | महाराष्ट्र जिल्हा परिषद जिल्हा सेवा (वैद्यकीय सेवा) नियम 1972 सुधारणा | 45 |
| 6 | 19740817 | महाराष्ट्र जिल्हा परिषद जिल्हा सेवा (वैद्यकीय सेवा) नियम 1974 सुधारणा | 47 |
| 7 | 19750915 | महाराष्ट्र जिल्हा परिषद जिल्हा सेवा (वैद्यकीय सेवा) नियम 1975 सुधारणा | 49 |
| 8 | 19760206 | महाराष्ट्र जिल्हा परिषद जिल्हा सेवा (वैद्यकीय सेवा) नियम 1976 सुधारणा | 51 |
| 9 | 19761104 | महाराष्ट्र जिल्हा परिषद जिल्हा सेवा (वैद्यकीय सेवा) नियम 1976 सुधारणा | 53 |
| 10 | 19850821 | शासकीय कर्मचा-यांना वैद्यकीय सुविधा अग्रिम व नियम | 55 |
| 11 | 19860611 | जिल्हा प्रशासन कर्मचा-यांना वैद्यकीय सुविधा अग्रिम व नियम | 59 |
| 12 | 19870730 | देयके भजूर करण्याचे अधिकार जिल्हा शल्य चिकित्सक यांना देणेबाबत | 61 |
| 13 | 19890529 | अळनपदार्थ, टाँनिक, जंतुनाशके, इ. नादेय बाबी | 63 |
| 14 | 19890628 | सदर्भ पत्र | 67 |
| 15 | 19910531 | प्रसूति पुर्व नोंदणी प्रमाणपत्र | 69 |
| 16 | 19900607 | विहित कालावधी व विलंब कालावधी | 71 |
| 17 | 19931106 | शासकीय रुग्णालये उपचार प्रतिपूर्ती अमर्याद | 73 |
| 18 | 19940816 | प्रतिपूर्ती अधिकार गट विकास अधिकारी यांना नसणेबाबत | 75 |
| 19 | 19970701 | स्वतंत्र कालावधीसाठी स्वतंत्र संचिका | 77 |
| 20 | 19980903 | शक्तिवर्धक ओषधे, रक्त, बाह्यरुग्ण अनुज्ञेय नसणेबाबत | 79 |
| 21 | 19990225 | शासन विनिर्दिष्ट 23 आकस्मिकता असलेल्या आजारातील आजार प्रमाणित करण्याचे अधिकार प्रदान करण्याबाबत | 81 |
| 22 | 19990301 | शासकीय रुग्णालयायात अनुज्ञेय असलेल्या वैद्यकीय खर्चाची प्रतिपूर्ती करण्याची सैद्याची कार्यपद्धती कायमस्वरूपी पुढे चालू ठेवण्याबाबत. | 85 |
| 23 | 19990305 | मुख्य कार्यकारी अधिकारी विभाग प्रमुख | 91 |
| 24 | 19990628 | खाजगी रुग्णालय नोंदणी क्रमांक नमुद करणे शिथिल | 93 |
| 25 | 19990729 | खोली प्रकार मुळ | 95 |
| 26 | 19990816 | कुत्रीम यंत्राची खरेदी दुरुस्ती इत्यादीवरील खर्चाची प्रतिपूर्ती एकत्रित आदेश | 99 |
| 27 | 19990817 | मधुमेह | 103 |
| 28 | 19990818 | वैद्यकीय प्रतिपूर्ती कुटुंब व्याख्या | 105 |
| 29 | 19990821 | परदेशात घेतलेल्या वैद्यकीय उपचारावर आणि भारतामध्ये विशेषतजांकडून | 107 |
| 30 | 19990821 | प्रसूतीसाठी झालेल्या वैद्यकीय खर्चाची प्रतिपूर्ती मिळण्याबाबत | 115 |
| 31 | 20000704 | अग्रिम 75000/- एवजी 100000/- | 117 |
| 32 | 20010112 | अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रादेशिक विभाग प्रमुख | 119 |
| 33 | 20050208 | नगर परिषद कर्मचारी अनुज्ञेयता | 121 |
| 34 | 20050319 | खाजगी रुग्णालयातील आंतररुग्ण उपचाराच्या वैद्यकीय खर्चाच्या मंजूरीबाबत दर सुधारणा | 125 |
| 35 | 20060210 | अग्रीमाचा मर्यादा रु. 100000/- वरून रु. 150000/- पर्यंत वाढविल्याबाबत. | 133 |

| | | | |
|----|----------|--|-----|
| 36 | 20060713 | डायलिसीस मूत्रपिंड | 135 |
| 37 | 20060731 | वैद्यकीय दक्षता | 139 |
| 38 | 20070723 | संदर्भ पत्र वैद्यकीय | 143 |
| 39 | 20080704 | वैद्यकीय प्रतिपूर्ती विलंब | 145 |
| 40 | 20090804 | अशासकीय अनुदानीत अपंग विशेष शाळा वैद्यकीय खर्चाच्या प्रतिपूर्ती | 147 |
| 41 | 20101206 | सक्षम अधिकारी प्रमाणपत्र कालावधी | 149 |
| 42 | 20111111 | अवलंबित्व ठरविण्यासाठी उत्पन्नावरील मर्यादा सुधारण्याबाबत रु. 3500/- | 151 |
| 43 | 20111116 | प्रतिपूर्तीच्या अनुज्ञेयतेची कमाल मर्यादा व मंजूरीच्या अधिकारांबाबत सुधारणा 100000 | 153 |
| 44 | 20131011 | वैद्यकीय प्रतीपूर्ती करीता खाजगी रुग्णालयाची याढी | 167 |
| 45 | 20140411 | वैद्यकीय अधिकारी बेठक द्वारा मंगळवारी | 189 |
| 46 | 20140925 | प्रसुतीशास्त्र व स्त्रीरोग संघंधातील आकस्मिक आजाराच्या बाबतीत वैद्यकीय खर्चाची प्रतिपूर्ती करण्याबाबत | 193 |
| 47 | 20150824 | प्रतिपूर्तीच्या अनुज्ञेयतेची कमाल मर्यादा व मंजूरीच्या अधिकारांत सुधारणा करण्याबाबत | 195 |
| 48 | 20160215 | दर व परिसिणना एंजियोप्लास्टी व बायपास | 197 |
| 49 | 20160224 | जिल्हाशाल्य चिकित्सक प्रमाणपत्राबाबत आवश्यकता आहे | 199 |
| 50 | 20160316 | कमाल मर्यादा व मंजूरीच्या अधिकारात सुधारणा करण्याबाबत 300000/- | 201 |
| 51 | 20160928 | कंकरोग शासनमान्य खाजगी रुग्णालय वगळून इतर खाजगी रुग्णालयात प्रतिपूर्तीच्या मंजूरी बाबत | 203 |
| 52 | 20190922 | नादेय बाबी | 207 |
| 53 | 20190606 | रु. 200000/- पर्यंत चे अधिकार प्रादेशिक विभाग प्रमुख यांना देणे बाबत | 209 |
| 54 | 20190802 | वैद्यकीय खर्चाच्या प्रतिपूर्तीच्या प्रयोजनार्थ अवलंबित्व ठरविण्यासाठी उत्पन्नावरील मर्यादा सुधारण्याबाबत रु.9000/- | 213 |
| 55 | | सुचना प्राधिकाराशिवाय | 215 |
| 56 | | सुचना प्राधिकारासह | 217 |
| 57 | | महत्वपूर्ण नमुने | 223 |

सुचना

सदर ई-बुक हे सर्वसामान्य कर्मचारी-अधिकारी यांना वैद्यकीय प्रतिपूर्ती विषयक ज्ञान प्राप्त क्वावे या उद्देशाने निर्माले आहे. सदर ई-बुक निर्मातीचा कोणताही व्यवसायिक हेतु नाही. लेखापरिक्षण करताना ज्ञात झालेली अद्ययावत माहिती अंतर्भुत करण्याचा प्रयत्न केला आहे. तथापि, अनावधानाने त्रुटी वा चुकीसाठी लेखक जबाबदार राहणार नाही.

सदर त्रुटी/चुक निर्दर्शनास आणुन दिल्यास पुढील आवृत्तीमध्ये सुधारणा करण्यात येईल.

वैद्यकीय खर्च प्रतिपूर्ती- सर्वसाधारण माहिती

शासकीय कर्मचा-यांच्या वैद्यकीय खर्च प्रतिपूर्तीचे नियम मळाराष्ट्र राज्य सेवा (वैद्यकीय देखभाल) नियम १९६१ अन्वये व त्यानंतर त्यात केलेल्या सुधारणानुसार बदलित केलेले आहेत.

१) सदर नियमान्वये –

रुग्ण म्हणजे

- ❖ शासकीय कर्मचारी किंवा त्याच्या कुटुंबातील कोणतीही व्यक्ती.
- ❖ रजेवर किंवा निलंबीत असलेले शासकीय कर्मचारी.
- ❖ पूर्ण वेळ शासकीय सेवेत कार्यस्त असलेला कायम अथवा तात्पुरता शासकीय कर्मचारी. शासकीय कर्मचा-याची एक वर्षापेक्षा जास्त सेवा होणे आवश्यक आहे.

कुटुंब म्हणजे

- ✓ शासकीय कर्मचा-याची पती/पत्री
- ✓ शासकीय कर्मचा-यावर अवलंबुन असलेली औरस मुले/सावत्र मुले/कायदेशीर दत्तक घेतलेली मुले
- ✓ शासकीय कर्मचा-यावर पूर्णपणे अवलंबून असलेले आई-वडील (निवृत्ती वेतन मुळ वेतनाच्या रूपये ९०००/- सार्वजनिक आरोग्य विभाग शासन निर्णय दि.०२.०८.२०१९) (महिला कर्मचा-याला तिच्या आई-वडीलांची किंवा सासु-सास-याची नियड करता येईल.)
- ✓ शासकीय कर्मचा-यावर पूर्णपणे अवलंबुन असलेला १८ वर्षाखालील भाऊ / अविवाहीत बहिणी व घटस्फोटीत बहिणी (वय लक्षात न घेता)

अपत्यांची संख्या

१. सार्वजनिक आरोग्य विभाग शासन निर्णय दिनांक २०/११/२००० अन्वये (लागू दिनांक ०१/०५/२००१) शासकीय कर्मचा-याला वैद्यकीय लाभासाठी दोन ह्यात अपत्याइतके आपले कुटुंब मर्यादीत ठेवणे आवश्यक आहे.

२. ०१/०५/२००१ नंतर त्यांच्या कुटुंबातील अपत्यांची संख्या दोन पेक्षा जास्त झाल्यास आई-वडीलांना व सदर मुलाला वैद्यकीय खर्च प्रतिपूर्ती मिळण्याचा हक्क राहणार नाही.

३. मात्र पहिल्या दोन मुलांना वैद्यकीय सोयी मिळण्याचा हक्क राहील. तसेच, जर सदर कुटुंबाने त्यानंतर सक्षम प्राधिका-याकडून निर्बिंजीकरणाची शस्त्रक्रिया केल्याचे प्रमाणपत्र सादर केल्यास आई वडिलांना वैद्यकीय सवलती मिळण्याचा हक्क राहील. मात्र तिस-या किंवा त्यापेक्षा जास्त मुलांना अशा सवलती मिळणार नाहीत.

४. सदरचा नियम तीन ह्यात मुलांच्या बाबतीमध्ये ०१/०५/२००१ पुर्वी लागू राहील.

शासन अधिसूचना क्र.एमआरव्ही-२०००/प्र.क्र.(१७/२०००)/बारा, दि.२८/०३/२००५ नुसार शासकीय सेवेत लागताना सध्या छोटे कुटुंब प्रमाणपत्र सादर करणे आवश्यक आहे.

Join telegram channel @lekhmitra

प्राधिकारासह सुचना

- 1) एकाच कर्मचाऱ्याची दोन वेगवेगळ्या कालावधीची वैद्यकीय देयकृतीकृत करून सादर करून नयेत. आंतररुग्ण कालावधी हा जर वेगवेगळा असेल तर त्या प्रकरणांची पुढील आंतररुग्ण प्रकरणांशी सांगड घालण्यात येऊ नये. ते प्रकरण स्वतंत्रपणे हाताळण्यात यावे. (शासन परिपत्रक ग्राम विकास व जलसंधारण विभाग दि.01 जुलै 1997)
- 2) सार्वजनिक आरोग्य विभागाचे पत्र दि.15.02.2016 नुसार खाजगी रुग्णालयात हृदयरोगाबाबत एन्जिओप्लास्टी तसेच बायपास सर्जरीबाबत घेतलेल्या उपचाराबाबत खर्चाची परिगणना करण्यात यावी.
- 3) रजिस्ट्रेशन चार्जस ही बाब वैद्यकीय प्रतिपुर्तीस अनुज्ञेय नाही. (ग्राम विकास व जलसंधारण विभाग ज्ञापन दि.22 मे 2019)
- 4) शासन पत्र दि.19.10.2015 नुसार (फेसमास्क, ग्लोव्हज, कॉटनरोल, युरोमीटर इ.) नादेय रक्कमा वगळण्यात येऊन त्याप्रमाणे देयकृतीचा गणना करावी.
- 5) देयकामध्ये पुढील बाबीच्या वजाती कराव्यात. (ग्राम विकास व जलसंधारण विभाग पत्र दि.22 मे 2019)

- | | |
|---------------------------|------------------------------|
| 1) Oxygen Mask | 13) Microscope cover |
| 2) All Types of Gloves | 14) Scrub |
| 3) Plain Sheet | 15) Face mask |
| 4) Handrub | 16) Dispo cap Surgical Blade |
| 5) Under pad | 17) Fresubin Powder |
| 6) Catheter mount | 18) Urometer |
| 7) Green tub filter | 19) Surgical blade |
| 8) ECG Leads | 20) HME filter |
| 9) Caccu suck suction set | 21) Dynaplast |
| 10) Manometer | 22) Silicon catheter |
| 11) Hexidine hand wash | 23) Kabripro Powder |
| 12) Diaper | |

- 6) जिल्हा शल्य चिकीत्सकांचे प्रमाणपत्रात आजाराचे नाव, आजाराचा क्रमांक व सदर आजार 5 गंभीर आजारापैकी आहे की 27 आकस्मिक आजारापैकी आहे याचा उल्लेख असणे आवश्यक आहे.
- 7) आंतररुग्ण काठातील औषधोपचाराच्या पुष्ट्यर्थ आवश्यक ती बीले, प्रमाणके व प्रमाणपत्रे इ. सादर करावीत. {म.रा.से.वै.देखभाल नियम 1961 मधील नियम 11 (2)} झेरॉक्स प्रती जोडु नयेत.
- 8) वैद्यकीय प्रतिपुर्तीच्या सर्व मागण्या कर्मचाऱ्याने संबंधीत नियंत्रक प्राधिकाऱ्याकडे एका वर्षाच्या आत सादर करणे (उपचार पुर्ण झाल्यापासुन) बंधनकारक आहे. {नियम 1961 मधील नियम 11 (1)}

प्रतिपुर्ती मिळविण्याबाबतचा दावा विहीत कालावधीत केला किंवा कसे याबाबत संबंधीत नियंत्रक अधिकाऱ्याचे प्रमाणपत्र व कर्मचाऱ्याच्या अर्जाची दिनांकीत प्रत संलग्न करावी.

9) सार्वजनिक आरोग्य विभाग शासन निर्णय दि.21 ऑगस्ट 1999 नुसार रु॒ कर्मचारी/अधिकारी अथवा कर्मचाऱ्यांची पत्नी यांनी प्रसुतीपुर्वी शासकीय/जिल्हा परिषद्वा महानगरपालीका /नगर परिषद च्या रुणालयात गर्भधारणेनंतर पहिल्या 2-3 महिन्यात नाव नॉदणी करण्यावश्यक आहे. प्रसुतीपुर्वी नॉदणी केलेली नसल्यास पुर्ण कालावधीच्या प्रसुतीसाठी खाजगी रुणालयात घेतलेल्या उपचारावरील खर्चास मान्यता मिळणार नाही.

10) अग्रीम मंजुर करण्यापर्वी प्रस्तावाची सखाल छाननी करण्याची जबाबदारी संबंधीत कर्मचाऱ्यांच्या नियंत्रक अधिकाऱ्याची राहील. (सार्वजनिक आरोग्य विभाग शासन निर्णय दि.04 जुलै 2000)

11) ज्या शासकीय तसेच खाजगीरुणालयास शासन मान्यता देण्यात आलेली आहे त्या रुणालयात उपचार करून घेत असल्यास वैद्यकीय खर्चाच्या प्रतिपुर्तीसाठी जिल्हा वैद्यकीय अधिक्षक/जिल्हा शल्य चिकीत्सक यांचे प्रमाणपत्र घेणे आवश्यक राहील (शालेय शिक्षण व क्रिडा विभाग यांचे पत्र दि.24.02.2016)

12) ज्या कारणासाठी हे अग्रीम मंजुर झाले आहे त्याच कारणासाठी ते उपयोगात आणले आहे हे पाहण्याची जबाबदारी रुणालय प्रमुखाची राहील. (सार्वजनिक आरोग्य विभाग शासन निर्णय 21.08.1985 मधील क्रमांक 5)

13) जर अग्रीमाची संपुर्ण रक्कम वैद्यकीय प्रतिपर्तीच्या देयकामधुन वसुल होण्यासारखी नसेल तर उरलेली रक्कम शासकीय कर्मचाऱ्याच्या वेतनातुन एकाच हफ्त्यातुन वसुल करण्यात यईल. (सार्वजनिक आरोग्य विभाग शासन निर्णय 21.08.1985 मधील क्रमांक 6-ब)

14) अग्रीम मंजुर झाल्याच्या दिनांकापासुन सहा महिन्याच्या कालावधीत वसुल झाले नाही तर घर बांधणी अग्रीमासाठी आदेय आसलेल्या व्याजाच्या कमीत कमी दराने व्याज अकारण्यात यावे. (सार्वजनिक आरोग्य विभाग शासन निर्णय 21.08.1985 मधील क्रमांक 7)

15) ग्राम विकास विभाग मंत्रालय मुंबई यांचे पत्र दिनांक 29 मे 1989 मधील अट क्रमांक 1 नुसार अन्न पदार्थ (FOODS), टॉनिक्स(TONICS), जंतु नाशके (DISINFECTANTS) हे प्रतिपुर्तीस पात्र नाहित.

16) शासन पत्र क्रमांक ए.ए.जी.-1051/4907/आ-09 . दि.02 जानेवारी 1985 अन्वये देयक सादर करण्यासाठी जी मार्गदर्शक तत्वे दिली आहेत त्याप्रमाणे तपासुन तसेच आवश्यक दाखले, प्रमाणपत्रे जोडली आहेत किंवा नाहीत हे तपासुन देयक परिपुर्ण रित्या स्विकारणे नियंत्रक अधिकाऱ्याचे कर्तव्य आहे. जोपर्यंत आवश्यक त्या कागद पत्रांची पुरता होऊन देयक प्राप्त होत नाही तोपर्यंतचा कालावधी हा संबंधित कर्मचाऱ्यातर्फे झालेला विलंब कालावधी समजावा. (सार्वजनिक आरोग्य विभाग परिपत्रक दिनांक 07 जुन 1991)

17) शासकिय कर्मचा-याने प्राधिकृत वैद्यकीय अधिकाऱ्याचे प्रमाणपत्र मधुमेह आजार प्राथमिक अवस्थेत असतानाच घ्यावे. त्यांनंतर पुढील औषधोपचारासाठी त्याच प्रमाणपत्राचा वापर करावा. दरवर्षी नविन प्रमाणपत्र घेण्याची आवश्यकता नाही. तथापि, कुटुंबातील इतर व्यक्तीसाठी दरवर्षी प्राधिकृत वैद्यकीय अधिकाऱ्याचे प्रमाणपत्र घेणे आवश्यक राहिल. (सार्वजनिक आरोग्य विभाग शासन निर्णय दि. 17/08/1999.)

18) कुटुंबाची व्याख्या शासन निर्णय दिनांक 18 ऑगस्ट 1994 मध्ये देण्यात आलेली आहे.

19) औषधोपचारवरील खर्चाच्या प्रतिपुर्तीची अनुज्ञयता प्रत्यक्ष खर्चाच्या 90% रक्कम सरसकट अनुज्ञेय राहिल. (सार्वजनिक आरोग्य विभाग शासन निर्णय दि. 19 मार्च 2005.)

20) खाजगी रुग्णालयातील वास्तव्याचा प्रतिपुर्ती पुढील प्रमाणे राहील. (सार्वजनिक आरोग्य विभाग शासन निर्णय दि. 19 मार्च 2005)

| अ.क्र. | खाजगी रुग्णालयातील वास्तव्याचा प्रकार. | प्रतिपुर्ती दर |
|--------|--|----------------|
| 1 | जनरल वार्ड (सर्वसामान्य कक्ष) | 95% |
| 2 | जनरल बोर्डच्या बाजुचा बाथरूम नसलेला कक्ष | 90% |
| 3 | बाथरूमसह स्वतंत्र कक्ष | 75% |
| 4 | बाथरूमसह डबल बेड कक्ष | 75% |
| 5 | बाथरूमसह वातानुकूलित कक्ष | 75% |
| 6 | अंति दक्षता कक्ष | 100% |

21) खाजगी रुग्णालयात उपचार घेतले आसल्यास ज्या वार्डमध्ये रुग्णास अंतर रुग्ण कालावधीत ठेवले होते त्याच्या समकक्ष प्रकाराबाबतचे प्रमाणपत्र सादर करावे. (ग्राम विकास व जलसंधारण विभाग शासन निर्णय दि. 31/07/2006)

22) शासकिय कर्मचा-याने शासकिय रुग्णालयात बाह्यरुग्ण म्हणुन उपचाराबाबत प्रमाणपत्र अ तर अंतर रुग्ण म्हणुन उपचाराबाबत प्रमाणपत्र ब भरून देणे आवश्यक आहे. (सार्वजनिक आरोग्य विभाग परिपत्रक दि. 31/08/1987)

23) खाजगी रुग्णालयात तातडीच्या प्रसंगी उपचार करणा-या डॉक्टरचे प्रमाणपत्र नमुना क भरून सहीखाली रुग्णालयाचे नाव, डॉक्टरचे नाव, रजिस्ट्रेशन क्रमांक आणि सोबत नमुन ड जोडून त्यामध्ये खर्चाचा संपूर्ण तपशील जोडणे आवश्यक आहे. (महाराष्ट्र वैद्यकीय देयक नियम 1961 मधील 16(1) सार्वजनिक आरोग्य विभाग शासन निर्णय 30/08/1999.)